38वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला संपन्न

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय ऊर्जा, आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने [सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले](#) **के 38वें संस्करण के समापन समारोह** की अध्यक्षता की।

मुख्य बिंदु

- **मेले का वैश्विक प्रभाव:**
  - केंद्रीय मंत्री ने **सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले के अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व पर ज़ोर दिया।**
  - उन्होंने कहा कि इस **आयोजन ने हरियाणा और भारत को वैश्विक पहचान दिलाई है** और [सांस्कृतिक पर्यटन](#) **में मील का पत्थर स्थापित किया है।**
- **सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व:**
  - मेले को **'कला और शिल्प का महाकुंभ' बताते हुए उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के बीच सीधे संपर्क को बढ़ावा देने** में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।
  - यह मेला **भारत की समृद्ध विरासत और** [सांस्कृतिक विविधता](#) **को** बढ़ावा देता है तथा दुनिया भर से कारीगरों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।
- **राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ बनाना:**
  - **उन्होंने** [राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक अखंडता](#) **को** बढ़ाने में मेले की भूमिका की सराहना की।
- **भागीदारी और पुरस्कार:**
  - समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कारीगरों को पुरस्कार प्रदान किये गये।
  - 38वें आयोजन में भारत और विदेश से 1,600 से अधिक कारीगरों ने भाग लिया तथा लगभग 15 लाख आगंतुक आए।

सूरजकुंड मेला

- सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला **7 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक आयोजित हुआ।**
- मेले का आयोजन **सूरजकुंड मेला प्राधिकरण** और **हरियाणा पर्यटन** द्वारा केंद्रीय [पर्यटन, कपड़ा, संस्कृति एवं विदेश मंत्रालय](#) के सहयोग से किया जाता है।
- यह मेला वर्ष **1987 में कुशल कारीगरों के पूल को बढ़ावा देने के लिये शुरू किया गया था,** जो कि स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, लेकिन ये लोग सस्ते मशीन-निर्मित उत्पादों के कारण पीड़ित थे।
  - **इस मेले को वर्ष 2013 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेले रूप में अपग्रेड किया गया था।**
- सूरजकुंड मेला भारत के [हस्तशिल्प, हथकरघा](#) **और** [सांस्कृतिक विरासत](#) की समृद्धि एवं विविधता को प्रदर्शित करता है, इसके साथ ही यह विश्व का सबसे बड़ा शिल्प मेला है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/38th-surajkund-international-crafts-mela-concluded